नईदुनिया

गाजा में इजराइली हमले में ऑस्ट्रेलियाई नागरिक की मौत; ऑस्ट्रेलियन प्रधानमंत्री बोले- यह अस्वीकार्य है

तेल अवीव ।

इजराइल और हमास के बीच गाजा में युद्ध जारी है। इस बीच एक इजराइली हवाई हमले में सात सहायता कर्मियों की मौत हो गई। इन्हीं मृतकों की सूची में एक नाम जोमी फ्रैंककॉम (43) का भी है, जो वर्ल्ड सेंट्रल किचन के छह अंतरराष्ट्रीय सहायता कर्मियों में से एक था। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने हमले की पुष्टि की है। बता दें, फ्रैंककॉम के पिता ऑस्ट्रेलियाई नागरिक थे तो वहीं उनकी माता भारत के मिजोरम राज्य की थी।

इजराइली प्रधानमंत्री ने भी मानी गलती

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री अल्बानीज ने फ्रैंककॉम की मौत के लिए इजराइली सरकार को जवाबदेह माना है। उन्होंने कहा कि फ्रैंककॉम गाजा में चैरिटी के लिए स्वेच्छा से काम कर रहा था। सहायता कर्मियों की मौत होना पूरी तरीके से अस्वीकार्य है। इसके अलावा, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी यह स्वीकार किया है कि इजराइली सुरक्षा बलों के हमले में सात सहायता कर्मियों की भी मौत हुई है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से गाजा पट्टी में निर्दोष लोगों पर हमला हुआ है। हमारी सेना से यह हमला अनजाने में हुआ है। भविष्य में यह गलती न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा।

दीर अल-बलाह गोदाम से निकालते वक्त हमला

गाजा में स्थापित फूड चैरिटी के संस्थापक और सेलेब्रिटि शेफ जोस एंड्रेस ने कहा कि हम क्षेत्र में अपने परिचालन को तुरंत निलंबित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने आईडीएफ के साथ समन्वय किया था। बावजूद इसके हमारे काफिले पर हमला हुआ। बता दें, हमला तब हुआ, जब काफिला दीर अल-बलाह गोदाम से निकल रहा था। दीर अल-बलाह गोदाम पर दल ने समुद्री मार्ग से गाजा पहुंचे 100 टन से अधिक मानवीय खाद्य सहायता उतारी थी। इसी दल के काफिले में फ्रैंककॉम भी शामिल थे, जिनकी हमले में मौत हो गई थी। बताते चलें कि मारे गए सात लोगों में ऑस्ट्रेलिया, पोलैंड, यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका और कनाडा के दोहरे नागरिक शामिल हैं।

हमले के यह तीन कारण

हमास ने कहा कि ये यरूशलम में अल-अक्सा मस्जिद को इजराइल की तरफ से अपवित्र करने का बदला है। हमास ने कहा कि इजराइली पुलिस ने अप्रैल 2023 में अल-अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंक इसे अपवित्र किया था। इजराइली सेना लगातार हमास के ठिकानों पर हमले कर रही है और अतिक्रमण कर रही है। इजराइली सेना हमारी महिलाओं पर हमले कर रही है। हमास के प्रवक्ता गाजी हमाद ने अरब देशों से अपील है कि इजराइल के साथ अपने सभी रिश्तों को तोड़ दें। हमाद ने कहा कि इजराइल एक अच्छा पड़ोसी और शांत देश कभी नहीं हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

महिला ने करोड़पति की बीवी होने के बताए नुकसान, महिला ने लड़कियों को दी इससे बचने की सलाह

लंदन। ब्रिटेन की एक महिला ने करोड़पति की बीवी होने के नुकसान बताए हैं। यहां तक कि उन्होंने लड़कियों को इससे बचने की भी सलाह दी। जानकारी के मुताबिक, ब्रिटेन की रहने वाली सूजी वॉकर ने अपनी कहानी शेयर की है और लड़कियों को इसे लेकर चेताया है। सूजी वॉकर की शादी प्रीमियर लीग फुटबॉलर इयान वॉकर के साथ हुई थी। उन्हें यूके की पहली महिला वाग के रूप में भी जाना जाता है। ब्रिटेन में फुटबॉलर्स की पत्नियों और गर्लफ्रेंड्स को वाग नाम से पुकारा जाता है। इयान के साथ रिश्ते में आने के बाद सूजी वॉकर की दुनिया ही बदल गई। ग्लैमर मॉडल लग्जरी लाइफ स्टाइल जीने लगीं। आलीशान महल में रहने लगीं। महंगे डिजाइनर कपड़े पहनकर निकलने लगीं। उस वक्त उन्हें देखकर ज्यादातर लड़कियां ईर्ष्या करती थीं। लेकिन 12 साल तक रिश्ते में रहने के बाद दोनों अलग हो गए। दोनों के एक बेटी भी है, जो अब 24 साल की हो गई है। सूजी वॉकर ने कहा, हाल ही में जब मेरी बेटी ने कहा कि उसे एक युवा फुटबालर ने डेट पर जाने के लिए कहा तो मेरी पुरानी यादें ताजा हो गईं। मैं ये नहीं कहती कि सभी फुटबॉलर एक जैसे हैं। या सभी अमीर लोग एक जैसे हैं, लेकिन जैसा मेरे साथ हुआ, वैसा मेरी बेटी के साथ नहीं होना चाहिए। यहां तक कि मैं दुनिया की सभी लड़कियों को इसे लेकर सचेत करूंगी। सिर्फ पैसा ही सबकुछ नहीं होता। अगर आपका पति अमीर है, तो पूरी दुनिया की नजर उस पर रहेगी। उसे तरह तरह के रिश्ते के ऑफर मिलेंगे। आप कब तक इससे उसे बचा पाएंगी। एक दिन तो ऐसी स्थिति आ ही सकती है। इसलिए ऐसे रिश्तों से दूर रहें तो ही बेहतर है। सूजी वॉकर ने कहा, एक समय था जब मेरी लाइफ लग्जरी हुआ करती थी। खूब सारे पैसे थे। न्यू ट्रेंडी और महंगी चीजें ही हमारे वार्डरोब में होती थीं। कार्टियर हीरे-जड़ित घड़ियां होती थीं, जिनकी कीमत लाखों में थी। लेकिन बाद में मुझे लगा कि ये सब एक हद तक ही जरूरी है। किसी रिश्ते में संतुष्ट और सुरक्षित महसूस करने से बेहतर कुछ भी नहीं है।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट के जजों को मिले धमकी भरे पत्र, जांच में जुटी पुलिस

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक समेत आठ न्यायाधीशों को धमकी भरे पत्र मिले हैं। इन पत्रों में संदिग्ध सामग्री भरी हुई है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब देश की खुफिया एजेंसी पर न्यायिक मामलों में दखल देने के आरोप लग रहे हैं। कुछ दिन पहले इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के छह न्यायाधीशों ने सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा को पत्र लिखा था और देश की खुफिया एजेंसियों द्वारा न्यायिक मामलों में दखल देने की शिकायत की थी। पत्र मिलने की पुष्टि करते हुए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश फारूक ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि इस घटना के कारण दिन की सुनवाई में देरी हुई। न्यायिक सूत्रों के हवाले से खबर दी कि जब दो न्यायाधीश के स्टाफ ने पत्रों को खोला तो उन्हें अंदर पाउडर मिला और बाद में उन्हें आंखों में जलन महसूस होने लगी। एहतियात के तौर पर सैनिटाइजर का इस्तेमाल कर और हाथ धोने के साथ त्वरित कार्रवाई की गई। पत्र मिलने के बाद इस्लामाबाद पुलिस के विशेषज्ञों की एक टीम संदिग्ध पाउडर की जांच के लिए तुरंत इस्लामाबाद उच्च न्यायालय पहुंची। उच्च न्यायालय के अधिकारियों ने इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक और सुरक्षा उप महानिरीक्षक को तलब किया और मामले का तत्काल समाधान किया। पत्र कई न्यायाधीशों को संबोधित किए गए थे। जिससे न्यायपालिका की सुरक्षा की चिंताएं बढ़ गई हैं। इसके अलावा, संदिग्ध पत्रों को आगे की जांच के लिए आतंकवाद-रोधी विभाग को सौंप दिया गया है।

उत्तर कोरिया ने किया हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण, पलक झपकते ही टारगेट होगा नष्ट

सियोल। उत्तर कोरिया ने दावा किया कि उसने मध्यम दूरी की नई हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल (आईआरबीएम) का सफल परीक्षण किया है। उसने कहा कि देश में विकसित सभी मिसाइलें अब ठोस ईंधन व परमाणु हथियारों की क्षमता के साथ लैस हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन ने ह्वासोंग-16 मिसाइल के परीक्षण का मार्गदर्शन किया। यह प्रक्षेपण उत्तर कोरिया द्वारा 14 जनवरी को मध्यम दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल के परीक्षण के लगभग तीन महीने बाद हुआ। बताया.कि पिछले महीने उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक आईआरबीएम के लिए एक ठोस-ईंधन इंजन का परीक्षण किया था। किम ने ह्वासोंग-16 मिसाइल को शक्तिशाली व रणनीतिक रूप से आक्रामक हथियार बताया। केसीएनए के अनुसार, किम ने कहा कि, देश ने विभिन्न रेंज की सभी मिसाइलों को ठोस-ईंधन के साथ परमाणु हथियार ले जाने के लिए सक्षम बना दिया है। केसीएनए ने कहा कि परीक्षण के दौरान हाइपरसोनिक मिसाइल पूर्वी सागर में एक हजार किलोमीटर की उड़ान भरते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंची। किम ने कहा कि दुश्मनों को रोकने और नियंत्रित करने में सक्षम हथियारों को विकसित करना वर्तमान में हमारे देश के लिए सबसे जरूरी काम है।

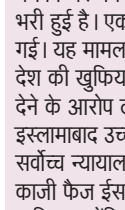

तीन और राज्यों के प्राइमरी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन को मिली जीत

रिपब्लिकन प्राइमरी चुनाव में नवंबर माह में होगी कांटे की टक्कर

वॉशिंगटन ।

डोनाल्ड ट्रंप, रिपब्लिकन प्राइमरी चुनाव में और राष्ट्रपति जो बाइडन डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में न्यूयॉर्क से जीत दर्ज कर चुके हैं। 2 अप्रैल को अमेरिका के चार राज्यों रोडे आइलैंड, कनेक्टिकट, न्यूयॉर्क और विंस्कोंसिन में प्राइमरी चुनाव हुए। ये चुनाव फिलहाल औपचारिकता भर रह गए हैं क्योंकि रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से जो बाइडन की राष्ट्रपति पद की दावेदारी तय हो गई है।

तीन राज्यों के चुनाव नतीजे हुए घोषित- रोडे आइलैंड, कनेक्टिकट, न्यूयॉर्क में अपनी-अपनी पार्टी के प्राइमरी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन को जीत मिली है। विस्कोंसिन के चुनाव नतीजे अभी आने बाकी हैं। अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। प्राइमरी चुनाव में जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन का दबदबा दिखा है, उससे साफ है कि नवंबर में होने वाले चुनाव में दोनों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

रिपब्लिकन पार्टी के कनेक्टिकट प्राइमरी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को 78 प्रतिशत, न्यूयॉर्क प्राइमरी चुनाव में 81 प्रतिशत, रोडे आइलैंड में 84.4 प्रतिशत मत मिले हैं। विंस्कोंसिन में भी डोनाल्ड ट्रंप ने बढ़त बनाई हुई है और 77 फीसदी मत पा चुके हैं। वहीं डेमोक्रेट पार्टी के प्राइमरी चुनाव में कनेक्टिकट में जो बाइडन को 85 प्रतिशत, न्यूयॉर्क में 91 प्रतिशत, रोडे आइलैंड में 82 प्रतिशत मत मिले हैं।

जो बाइडन को इन मुद्दों पर झेलना पड़ रहा विरोध- राष्ट्रपति जो बाइडन को इजराइल हमास युद्ध की वजह से काफी विरोध भी झेलना पड़ रहा है और 2 अप्रैल को हुए चार राज्यों के चुनाव में सामाजिक कार्यकर्ता डेमोक्रेट पार्टी के समर्थकों से अपील कर रहे थे कि वह जो बाइडन को वोट न करें क्योंकि उन्होंने इस्राइस हमास युद्ध को सही तरीके से हैंडल नहीं किया। वहीं कुछ लोग जो बाइडन के अर्थव्यवस्था के स्तर पर किए गए कामों से भी खुश नहीं हैं। कई रिपब्लिकन समर्थक भी डोनाल्ड ट्रंप की उम्मीदवारी से खुश नहीं हैं और उनकी इच्छा है कि और विकल्प होने चाहिए थे।

अक्षय पात्र फाउंडेशन ने परोसी चार अरब थाली, संयुक्त राष्ट्र में भी मना जश्न

वॉशिंगटन। अक्षय पात्र फाउंडेशन ने चार अरब थाली परोसने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। अक्षय पात्र फाउंडेशन की इस उपलब्धि का जश्न संयुक्त राष्ट्र में भी मना। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक विशेष कार्यक्रम खाद्य सुरक्षा में उपलब्धि: सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में भारत की प्रगति का आयोजन किया। इस आयोजन में भारत की खाद्य सुरक्षा और पोषण हासिल करने की दिशा में नई-नई रणनीतियों, नीतियों और उपलब्धियों को दर्शाया गया। इस आयोजन में इंफोसिस के संस्थापक सदस्य एनआर नारायणमूर्ति, नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी और भारतीय सामाजिक संगठन अक्षय पात्र फाउंडेशन के अध्यक्ष मधु पंडित दास भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम के लिए पीएम मोदी ने विशेष संदेश भेजा, जिसमें पीएम मोदी ने एनजीओ को बधाई दी और साथ ही कहा कि उन्हें अक्षय पात्र फाउंडेशन की पूरी टीम पर गर्व और बेहद खुशी महसूस हो रही है। पीएम मोदी ने चार अरब थाली परोसने को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने पीएम मोदी के संदेश को पढ़ते हुए कहा कि मानवता को पोषण देने और भुखमरी को खत्म करने में यह उपलब्धि हमारे समर्पण का सबूत है। प्रधानमंत्री ने संदेश में कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन अनगिनत बच्चों को भोजन उपलब्ध करा चुका है और यह सुनिश्चित कर रहा है कि दुनिया के भविष्य को सही पोषण मिल चुके। प्रधानमंत्री ने अक्षय पात्र फाउंडेशन की तीन अरबवीं थाली परोसे जाने को भी याद किया, जिसे फरवरी 2019 में वृंदावन में परोसा गया था।

ताइवान की राजधानी ताइपे में 7.4 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की भी चेतावनी

टोक्यो।

ताइवान में जोरदार भूंकप आया है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 7.4 आंकी गई है। ताइवान में आए भूकंप के कारण दक्षिणी जापान में सुनामी की आशंका है। जापानी प्रशासन ने सुनामी की चेतावनी जारी कर दी है। जापान का कहना है कि सुनामी की पहली लहर उसके दो दक्षिणी द्वीपों पर आई है।

मेट्रो सिस्टम 40 से 60 मिनट के लिए निलंबित

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र हुलिएन काउंटी हॉल से 25.0 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पूर्व में प्रशांत महासागर में 15.5 किलोमीटर की गहराई था। पूर्वोत्तर के यिलान काउंटी और उत्तर के मियाओली काउंटी में 5 से अधिक तीव्रता का झटका महसूस किया गया है। सेंट्रल वेदर एजेंसी ने कहा कि उत्तरी शहर में ताइपे शहर, न्यू ताइपे शहर, ताओयुआन शहर और सिंचू काउंटी, ताइचुंग शहर, चांगहुआ काउंटी में भी 5 की तीव्रता दर्ज किया गया है। भूकंप के कारण ताइपे, ताइचुंग और काऊशुंग में मेट्रो सिस्टम को 40 से 60 मिनट के लिए निलंबित कर दिया गया है।

क्यों आता है भूकंप

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

जानें क्या है भूकंप के केंद्र और तीव्रता का मतलब

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

कैसे मापी जाती है भूकंप की तीव्रता और क्या है मापने का पैमाना

भूंकप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है।

खुलकर दाढ़ी बढ़ा सकेंगे अब ब्रिटिश आर्मी के जवान

फ्रेंच कट, या अन्य लुक वाली कोई दाढ़ी रखने की अनुमति नहीं

लंदन ।

ब्रिटिश आर्मी में तो पिछले 100 सालों से ये नियम था कि सैनिक दाढ़ी नहीं बढ़ा सकते, पर अब इस नियम को खत्म कर दिया गया है। वो खुलकर दाढ़ी बढ़ा सकते हैं पर उन्हें एक शर्त माननी पड़ेगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रिटिश आर्मी में काम करने वाले सैनिक और अधिकारी अब दाढ़ी रख पाएंगे। पिछले 100 सालों से दाढ़ी पर जो बैन लगा था, उसे हटा दिया गया है। इस नियम में बदलाव को किंग चार्ल्स से मंजूरी मिलना जरूरी है, जो ब्रिटिश आर्मी के कमांडर-इन-चीफ हैं। एक तरफ ये वहां के सेना के जवानों के लिए खुशखबरी हो सकती है, पर उन्हें एक शर्त को भी मानना होगा। नियम ये बनाए गए हैं कि सैनिक दाढ़ी तो बढ़ा सकते हैं, मगर उन्हें पूरी दाढ़ी रखनी होगी। फ्रेंच कट, या अन्य लुक वाली कोई दाढ़ी रखने की अनुमति नहीं है।

इसके अलावा वो अपनी दाढ़ी को अलग-अलग रंगों से रंग नहीं सकेंगे, ना ही वो पैच में दाढ़ी रख पाएंगे। उन्हें दाढ़ी को हमेशा साफ-सुथरा रखना पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार उनकी दाढ़ी का हमेशा रिव्यू होता रहेगा जिससे दाढ़ी से जुड़े नियमों को लागू करवाया जा सके। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक माना जा रहा है कि ये बैन इस वजह से हटाया गया है जिससे आजकल के युवाओं को आर्मी की ओर आकर्षित किया जा सके और वो भी बढ़चढ़कर देश की सुरक्षा में योगदान दें।

नियम से जुड़ी ये जानकारी वॉरेंट ऑफिसर क्लास-1, पॉल कार्नी द्वारा जारी किए गए 4 मिनट लंबे वीडियो में दी गई थी। आपको बता दें कि ब्रिटेन की रॉयल एयरफोर्स में साल 2019 से ही सैनिकों को दाढ़ी बढ़ाने की इजाजत दे दी गई थी। जबकि रॉयल नेवी में भी ये अनुमति सालों पहले दे दी गई थी। आपने फिल्मों में देखा होगा कि सैनिक जंग के मैदान में बढ़ी दाढ़ी और लहराते हुए बालों के साथ मिशन को अंजाम देते हैं और दुश्मनों को मौत के घाट उतारते हैं। पर वास्तव में कई देशों में सैनिकों को दाढ़ी और बाल बढ़ाने की इजाजत ही नहीं होती है। इंडियन आर्मी में भी ये नियम हैं।

कबूतरों को खिलाया दाना तो ठोका 2.5 लाख का जुर्मानां नगर पालिका ने घर से बाहर निकालने की चेतावनी भी दी

लदन।

97 साल की एक बुजुर्ग महिला ने अपने आंगन में कबूतरों को दाना खिलाया, नगर पालिका ने इसकी शिकायत पर 2.5 लाख का जुर्माना ठोक दिया। इस मामले की किसी ने नगर पालिका में शिकायत कर दी। वहां से नोटिस आ गया। पहले तो चेताया गया, लेकिन जब महिला ने नजरअंदाज किया तो 2.5 लाख रुपये का जुर्माना ठोंक दिया गया।

इस मामले में चेतावनी भी दी गई कि अगर आगे से ऐसा हुआ तो उसे और उसके बेटे को उसके अपने ही घर से बाहर निकाल दिया जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 97 वर्षीय ऐनी सेगो वर्षों तक संगीत शिक्षकिा रहीं। उन्हें पक्षियों से बेहद लगाव है। यहां तक कि उन्होंने कुछ पक्षियों को अपने घर में भी पाल रखा है। लेकिन बीते कई महीनों से उनके आंगन में गौरेया और कबूतर आने लगे थे। ऐनी को उन्हें दाना खिलाना काफी अच्छा लगता था। वे रोज सुबह दाना लेकर बैठ जातीं और कबूतरों को बुलाकर उन्हें दाना खिलातीं। इसकी वजह से कई पक्षी वहां आने लगे। यही बात पड़ोस में रहने वाले किसी शख्स को खटक गई। उसने नगर पालिका में शिकायत कर दी।शख्स ने दावा किया कि दाना बांटने की वजह से क्षेत्र में

तमाम कबूतर और सीगल आ रहे हैं, जिनसे पूरे इलाके में गंदगी फैल रही है। फिर क्या था। काउंलिस ने महिला को नोटिस भेज दिया। नोटिस में कहा, अगर आपने यह असामाजिक व्यवहार बंद नहीं किया तो 10000 रुपये जुर्माना भरना होगा। जब महिला ने इस पर ध्यान नहीं दिया, तो काउंसिल ने जुर्माना बढ़ाकर 2,500 पाउंड यानी 2.5 लाख रुपये कर दिया। इसके बाद भी काउंसिल ने महिला के 77 वर्षीय बेटे एलन को नोटिस भेजा। लिखा, अगर आप अपनी मां को नहीं समझा पाए तो दोनों को घर से बाहर कर दिया जाएगा। कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।दरअसल, इंग्लैंड, थाइलैंड, कोलंबिया, कनाडा, अमेरिका समेत कई देशों में कबूतरों को दाना खिलाना अपराध की श्रेणी में आता है। वेनिस में तो इसे लेकर काफी सख्त कारनून है। ऐसा माना जाता है कि कबूतरों के आने से इलाकों में गंदगी होगी, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा है। इससे स्वच्छता पर भी असर होता है।

चीन के दक्षिणी जियांग्शी प्रांत में भयंकर तूफान का कहर

तेज हवाओं ने चीन को किया तबाह, 7 लोगों की हुई मौत

बीजिंग।

चीन के दक्षिणी जियांग्शी प्रांत में भयंकर तूफान आया। तेज हवाओं के साथ आए तूफान के कारण कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। इनमें से तीन लोग नींद में ही अपने ऊंचे अपार्टमेंट से हवा के साथ बाहर उड़ गए।

जियांग्शी प्रांतीय आपातकालीन बाढ़ नियंत्रण मुख्यालय ने कहा, 31 मार्च से शुरू हुए मौसम ने नानचांग और जिउजियांग सहित नौ शहरों को अपनी चपेट में ले लिया है और 54 काउंटियों में 93,000 लोग प्रभावित हुए हैं।

भयंकर तूफान के कारण प्रांतीय राजधानी नानचांग में एक ऊंची इमारत के दो अपार्टमेंटों में दरवाजे के आकार की खिड़कियां टूट गईं।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, तीन लोगों को छेद के माध्यम से उनके बिस्तर से खींच लिया गया, जिससे उनकी मौत हो गई।

अधिकारियों ने कहा कि पूरे प्रांत में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है और 552 लोगों को आपातकालीन स्थिति से निकाला गया है। उन्होंने यह भी कहा कि 2,751 घर क्षतिग्रस्त हो गये।

स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि बिजली चमकने, तेज बारिश और गोल्फ की गेंदों के आकार के ओले गिरने के साथ, एक दशक से भी अधिक

समय में सबसे भीषण शक्तिशाली तूफान के कारण 150 मिलियन युआन (21 मिलियन डॉलर) का आर्थिक नुकसान हुआ है।

चीन के मौसम ब्यूरो ने स्थानीय पवन पैमाने पर श्रेणी ढ्ढ तूफान के बराबर स्तर 12 तक की गति वाली हवाओं की चेतावनी जारी की थी।

ऐसी तीव्रता की हवाएँ आम हैं जब टाइफून, जैसा कि चीन और पूर्वी एशिया में अन्य जगहों पर तूफान कहा जाता है, ज़मीन पर आते हैं लेकिन ज़मीन से घिरे जियांग्शी जैसे अंतर्देशीय में शायद ही कभी पाए जाते हैं।

चीन के राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमानकर्ता ने दक्षिणपूर्वी चीन के कई इलाकों में अपनी उच्चतम गंभीर संवहनशील मौसम चेतावनी सलाह को नारंगी रंग में रखा है क्योंकि भी तेज हवाएं, ओलावृष्टि और तूफान जारी रहेगा।

राज्य मीडिया ने बताया कि पूर्वानुमानकर्ता ने 2013 के बाद से गंभीर संवहनशील मौसम के लिए पहला ऑरेंज अलर्ट जारी किया। चीन में गंभीर संक्रामक मौसम के लिए तीन स्तरीय, रंग-कोडित मौसम चेतावनी प्रणाली है, जिसमें नारंगी रंग सबसे गंभीर चेतावनी का प्रतिनिधित्व करता है, उसके बाद पीला और नीला होता है।